



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 150]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 3, 1981/श्रावण 12, 1903

No. 150]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 3, 1981/SRAVANA 12, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मन्त्रालय

(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना संख्या 39-आई टी सी (पी एन)/81

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1981

विषय: 1981-82 के दौरान कच्चे कपास का आयात

बि०सं० आई टी सी/3/9/81.—वाणिज्य विभाग की सार्वजनिक सूचना सं० 13-आई टी सी (पी एन)/81 दिनांक 3 अप्रैल, 1981 के अधीन प्रकाशित 1981-82 के लिए आयात नीति की ओर ध्यान दिलाया जाता है जिसके अनुसार कच्चे कपास का आयात भारतीय कपास निगम के माध्यम से संचालित किया गया है। उसमें यह निर्धारित किया गया है कि इस मद्द्दे आयात की मात्रा और उस के वितरण की नीति सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाएगी।

2. सरणीबद्ध करने वाले अधिकरण ने पाकिस्तान से मध्यम रेशे की किस्म वाले कच्चे कपास के आयात के लिए व्यवस्थाएं की हैं। यह निश्चय किया गया है कि आयात किए गए ऐसे कच्चे कपास की मात्रा का एक भाग निर्यात के लिए सूती वस्त्रों के उत्पादन के लिए कपड़े की मिलों को आवंटित किया जाए। इन मिलों को कच्चे कपास का आवंटन उपयुक्त निर्यात आभार के अधीन होगा। जिसका निश्चय

इस आधार पर किया जाएगा कि निर्यात किए जाने वाले सूती वस्त्रों के भार और आवंटित किए जाने वाले कपास के भार के बीच अनुपात 100 : 140 हो।

3. वे कपड़े की मिलें जो इस व्यवस्था के अधीन आयातित कच्चे कपास का आवंटन प्राप्त करने की इच्छुक हों उन्हें तत्काल ही मांगी गई मात्रा को दर्शाते हुए भारतीय कपास निगम से सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। भारतीय कपास निगम प्रत्येक मामले में आवंटित की जाने वाली वास्तविक मात्रा को निश्चय करने के पश्चात् सम्बद्ध मिल के नाम में एक "प्रनापति" प्रमाणपत्र जारी करेगा। जिस से कि मिल भारतीय कपास निगम द्वारा निर्णीत व्यवस्थाओं के अधीन पाकिस्तान से कच्चे कपास के आयात के लिए सीधे आयात लाइसेंस के लिए आवेदन करने के लिए समर्थ हो सके। आयात लाइसेंस के लिए आवेदन पत्र, आयात-निर्यात क्रिया विधि हंड बुक 1981-82 में यथा निहित प्रप्रदाय लाइसेंस प्रदान करने के लिए निर्धारित प्रपत्र में सम्बद्ध क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी को किया जाना चाहिए।

आयात लाइसेंस एक उपयुक्त निर्यात आभार की शर्त के अधीन होगा जो लाइसेंसधारी को 31 मार्च, 1982 तक पूर्ण करना होगा/निर्यात आभार पूर्ण करने के लिए लाइसेंसधारी को लाइसेंस के मद्दे प्रथम परेक्षण की निकासी से पहले एक निर्यात बाण्ड आयात निर्यात क्रियाविधि पुस्तक 1981-82 के परिशिष्ट-23 में निर्धारित प्रपत्र में भरना होगा जो कि

आयात के लिए अनुमति कच्चे कपास की 500 रुपये प्रति कैंचि के बराबर धनराशि की बैंक गारंटी के द्वारा समर्थित होगा। निर्धारित अवधि के भीतर निर्यात आभार को पूर्ण न करने पर यह धनराशि उस अन्य कार्रवाई को ध्यान में रखे बिना जप्त की जा सकती है जो लाइसेंस-धारी या किसी भी अन्य व्यक्ति के विरुद्ध आयात निर्यात नियंत्रण अधिनियम और उसके अधीन जारी किए गए आदेशों के अंतर्गत की जा सकती है।

4. आयात लाइसेंस ऐसी अन्य बातों के अधीन होगा जो कच्चे कपास के आयात के तरीकों के सम्बन्ध में निश्चित की जाएं।

5. निर्यात आभार की पूर्ण करने के साक्ष्य के रूप में और बाण्ड की रिहाई के लिए लाइसेंसधारी को यही दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे जो पंजीकृत निर्यातकों की आयात नीति के अन्तर्गत निर्यात के मद्दे आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस मांगने के लिए प्रस्तुत करने हैं। आभार को पूर्ण करने के लिए किए गए निर्यात पंजीकृत निर्यातकों की आयात नीति के अन्तर्गत यथा प्राप्य आयात प्रतिपूर्ति के लाभ के लिए भी पात्रता प्रदान करेंगे।

6. यह भी निश्चय किया गया है कि भारत के कपास निगम द्वारा किए गए समझौतों के अन्तर्गत आयातित कच्चे कपास का एक भाग राष्ट्रीय धस्त्र निगम को और सरकार द्वारा नामित ऐसे ही अन्य अधिकारियों को सूत उत्पादन और उसकी हथकरघा क्षेत्र को सरकार द्वारा यथा निश्चित तरीके से आपूर्ति के लिए निर्यात आभार के बिना उपलब्ध कराया जाएगा।

मणि नारायण स्वामी, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 39—ITC(PN)/81

New Delhi, the 3rd August, 1981

Subject: Import of raw cotton during 1981-82.

F. No. IPC/3/9/81.—Attention is invited to the import policy for 1981-82, published under the Department of Commerce Public Notice No. 13-ITC(PN)/81 dated the 3rd April, 1981 in terms of which import of raw cotton is canalised through Cotton Corporation of India. It has been laid down that the quantum of import of this item and the policy for distribution will be laid down by Government from time to time.

2. The canalising agency has made arrangements for import of raw cotton of medium staple varieties from Pakistan. It has been decided that a part of the quantity of raw cotton thus to be imported may be allocated to textile mills for production of cotton textiles for export. The allocation of raw cotton to the mills will be subject to a suitable export obligation which will be determined on the basis that the ratio between the weight of the cotton textiles to be exported and the weight of raw cotton to be allocated shall be 100 : 140.

3. Cotton textile mills intending to obtain allocation of imported raw cotton under this arrangement should approach the Cotton Corporation of India immediately indicating the quantity asked for. The Cotton Corporation after determining the actual quantity to be allocated in each case will issue 'No objection certificate' in favour of the mill concerned, to enable the mill to apply for a direct import licence, for the import of raw cotton from Pakistan under the arrangements finalised by the Cotton Corporation of India. The application for import licence should be made to the regional licensing authority concerned in the form prescribed for the grant of import licences, as contained in Annexure XV in Appendix 10 of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1981-82. The import licence will be subject to a suitable export obligation which the licensee will be required to discharge by 31st March, 1982. For the discharge of the export obligation, the licensee will be required to execute, before clearance of the first consignment against the licence, an export bond in the form prescribed in Appendix 23 of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1981-82 supported by a bank guarantee for an amount equal to Rs. 500 per candy of raw cotton permitted for import. In the event of non-fulfilment of the export obligation within the stipulated period, this amount shall be liable to forfeiture, without, prejudice to any other action that may be taken against the licensee or any other person under the Imports & Exports Control Act and the orders issued thereunder.

4. The import licence shall be subject to such other conditions as may be decided regarding the manner for import of raw cotton.

5. As evidence of fulfilment of the export obligation and for redemption of bond, the licensee will be required to submit the same documents as are to be produced for claiming import replenishment licences against the export under the import policy for Registered Exporters. The exports made in discharge of the obligation will also be eligible for the benefit of import replenishment as admissible under the import policy for Registered Exporters.

6. It has also been decided that a part of raw cotton imported under the arrangements entered into by Cotton Corporation of India will be made available to National Textile Corporation and such other agencies designated by Government for production of yarn and for its supply to the handloom sector without an export obligation, in the manner as may be decided by Government.

MANI NARAYANSWAMI, Chief Controller of Imports & Exports.